

प्रातःकिरण



दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित



f /Pratahkiran

t /Pratahkiran

b /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 मेसी की छह जर्सी 78 लाख डॉलर में बिकी.....

वर्ष : 11

अंक : 213

पटना, शनिवार, 16 दिसंबर, 2023

विक्रम संवत् 2080

पेज : 12

मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com

मार्शा शतक से चूके, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 487 रन..... 11

मथुरा के शाही ईदगाह के सर्वेक्षण आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मथुरा के कुण्ड मन्दिर से स्टोर शाही ईदगाह मस्जिद परिसर सर्वेक्षण का इलाजामाद उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस ली एन भट्टी की पीठ ने अवेदनों संबंधित सुने के बाद उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर

दिया। पीठ के समक्ष मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिकारी हुज़फा का अहमदी ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अदालत ने पहले कहा था कि मामले में सुवर्वाह की जरूरत है। इस मामले में हमसे लिखित दलीलें दखिल करने को भी कहा गया था। उहाँने कहा, लैकिन अब उच्च न्यायालय कुछ छोड़ आवेदनों पर विचार कर रहा है तो कहा, इस स्तर पर हम कुछ भी नहीं रोकेंगे। यदि

कोई प्रतिकूल आदेश है तो आप यहां आ

सकते हैं। श्री अहमदी ने कहा कि गुरुवार को एक आदेश पारित किया गया, जिसमें आयुक्त को शाही ईदगाह मस्जिद का नियोक्ता करने और इसके लिए अयोग नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। उहाँने कहा, वह तब ही रहा है जब शीर्ष अदालत इस मामले में अधिकारी क्षेत्र का फैसला कर रही है। पीठ ने अहमदी से वह कानून के अनुसार चुनी दायर कर सकता है। इलाजामाद उच्च न्यायालय ने हरि कि वह (शीर्ष अदालत) नौ जनवरी को मामले की सुनवाई करने वाली है। इस पर पीठ ने कहा, इस कोई प्रतिकूल आदेश है तो आप यहां आ

रहा है। शीर्ष अदालत ने हालांकि, कहा कि उसके के समक्ष एकमात्र अधिकारी क्षेत्र का स्थानांतरण का मामला है। इस तरह मामला आब उसके समक्ष योग्यता के आधार पर नहीं है। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकार्ता को कोइ शिकायत है तो सर्वेक्षण के तौर-तौरों पर संभवार को फैसला करेगी। उच्च न्यायालय ने हरि शंकर के बाद और अन्य के मामलम से देवता (भगवान श्री कृष्ण विजयमान) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आयुक्तों को तीन सदस्यीय टीम द्वारा

की दलील थी कि मस्जिद का निर्माण मुगल स्मारक और गेजेब ने भगवान कृष्ण के जम्मस्थान के एक हिस्से को ध्वस्त करने के बाद किया था। याचिकाकार्ताओं ने पूरी 13.37 एकड़ भूमि पर स्वामित्व का दावा किया है, जिस पर फिल्हाल मस्जिद की संरचना एवं स्थित है। उहाँने शाही ईदगाह मस्जिद समिति और श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के बीच 1968 के समझौते को भी चुनी दी है, जिसने अधिकारी को उस भूमि का उपयोग करने की अनुमति दी थी जिस पर वह स्थित थी।



नवादा शहर के हर घर तक पहुंचा शुद्धपेयजल के स्तर में गंगाजल

सीएम नीतीश ने नवादा में गंगाजल आपूर्ति योजना का किया लोकार्पण

● मुख्यमंत्री ने स्वयं पानी पीकर गंगाजल को हर घर पहुंचाने की शुरूआत की



प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को नवादा जिला के कादिरपांज के पीरा गांव में गंगाजल आपूर्ति योजना का लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन के अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच पूरा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कम्पना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर विलयर वाटर पैप हाऊस का बटन दबाकर उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संवर्तन का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संवर्तन के अवयव प्री सेटाइंग टैक, कैडेक मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रीच्छार के बीच प

पटना

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संसद की घटना पर गृह मंत्री को देना चाहिए स्पष्टीकरण : चौधरी

बोलें-माता जानकी के उद्धव स्थान को विकसित कर रही सरकार

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने भाजपा पर यजमक हमला छोला है। शुक्रवार को जनता दल यू. प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि संसद की सुक्ष्म में बड़ी चुक्क हुई है। उन्होंने कहा कि संसद हमले की वर्षगांठ के दिन इस तरह की घटना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण और निवाजनक है। चुक्क संसद के सुक्ष्म में एक ख्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। यह देश के सदन की सुरक्षा के पास है। श्री चौधरी ने कहा कि इसकी विवादों भारत की आयोजन की तिथि जल्द ही घोषित होगी। साथ ही उन्होंने जनकारी देते हुए कहा कि जारीखें के रामांग में 21 जनवरी को हमारी पार्टी की ओर से कार्यक्रम निर्धारित है। एक पत्रकार के सवाल के जवाब में श्री अशोक चौधरी ने कहा कि देश के गुरुवारी भारती अमित शाह को देने में आनकानी कर रही थी इसलिए संबंध में स्पष्टीकरण देना चाहिए और साथ ही भविष्य में इस प्रकार के घटना की पुनरुत्तिना हो जाए।



माता जानकी बिहारी की हैं, उनके उद्देश्य स्थान को अगर हमारी सरकार पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित कर रही है तो वह प्रसन्नता का विषय है। भारतीय जनता पार्टी को एक राजीनीति करने से बचाना चाहिए। उन्होंने श्री चौधरी कि भाजपा के बल राजनीति के लिए भगवान राम का नाम लेती है लेकिन हम मासे सीराताम सहन वाले लोग हैं। उक्त संसाधन सह सूचना एवं जन-सम्पर्क परिवर्त के मुख्य सचेतक सह विधान पार्षद संजय कुमार सिंह गांधी जी एवं पार्टी के प्रदेश महासचिव अरुण कुमार सिंह उपर्युक्त रहे। इससे पहले भवन निर्माण मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे। प्रवर्तन मंत्री शीला कुमारी, विधि मंत्री शमी अहमद, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो जमा खान, ग्रामीण कार्य मंत्री जयंत राज, अनुरूपीय जाति जनजाति कल्याण मंत्री रेशम सावा, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस पंदित शिर्षक, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के

भाजपा अध्यक्षने राज्यपाल से की दूरभाष पर बातचीत

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

● गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों का बरकरार रखने का किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्प्राइट चौधरी ने आगामी वर्ष 2024 के लिए विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम की छुट्टियों के कार्यक्रम के लिए लोटे दें। जारीखें राष्ट्रपति वर्ष के वर्षों की भाजपा की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का किया जाएगा। उन्होंने राज्यपाल से दूरभाष पर बातचीत की जयंती की विवादों के बारे में भाजपा की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने बताया कि राज्यपाल ने उन्हें सकारात्मक अवधान दिया और कहा कि अधिकारियों से संयक्त जानकारी लेकर वे इस मामले में आवश्यक वार्षिकार्कानी करें। उन्होंने कहा कि अगर वर्ष 2023 में इन गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों रही हैं, तो आगामी वर्षों में भी रहीं जाएं। गोरेतले है कि 2023 में राजभवन द्वारा जारी कैलेंडर में 92 दिन की छुट्टियां रही हैं। इस वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में पांच दिन की कटौती कर 89 दिन की छुट्टियों रही हैं।

50 हजार करोड़ के निवेश का दावा हवा-हवाई सर्बित होगा : चौरसिया

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

भाजपा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा है कि राज्य में 50 हजार करोड़ रुपए के औद्योगिक निवेश सरकार का दावा एक बार पिर हवा-हवाई सर्बित होकर रह जाएगा। चौरसिया के लिए इसके बारे में निवेश करने की तीक्ष्णी हो रही है। वह उनकारों के लिए दूसरे राज्यों का मुंह न देखना पड़े, लिकान इसके बारे में सरकार को योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा देता है। उनके बारे में निवेश करने की तीक्ष्णी हो रही है।

अखंड भारत के शिल्पकार थे सदाचार पटेल : राजीव

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

● गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों का बरकरार रखने का किया जाएगा।



महान स्वतन्त्र सेनानी वंश देश के प्रथम शूरमारी से इनकार पटेल की पूर्व उपर्युक्तमानी पर शुक्रवार पटेल के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बारतीय जल्द ही घोषित होगी। श्री चौरसिया ने कहा कि जनकारी देते हुए कहा कि भाजपा के बारे में आपने द्राविड़मुसामन अपरिवर्तित कर हुए जारीखें विश्वविद्यालय के कार्यक्रम की छुट्टियों के कार्यक्रम के लिए भाजपा की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। उन्होंने राज्यपाल से दूरभाष पर बातचीत की जयंती की विवादों के बारे में भाजपा की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया।

एनएसएमई ने किया उदानित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एनएसएमई पटना द्वारा शुक्रवार को अनेसाबाद में शिथंत राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय के सभागार में एक दिवसीय उदानित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न अनुयायी वर्ग के प्रतिभागिणण, इलादि ने भाग लिया। यह कार्यक्रम, एनएसएमई मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत आकारानी के बावजूद कीरण चौधरी के अधिकारियों से संयक्त जानकारी लेकर वे इस वर्ष के वर्षों की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। उन्होंने कहा कि अगर वर्ष 2023 में इन गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों रही हैं, तो आगामी वर्षों में भी रहीं जाएं। गोरेतले है कि 2023 में राजभवन द्वारा जारी कैलेंडर में 92 दिन की छुट्टियां रही हैं। इस वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में पांच दिन की कटौती कर 89 दिन की छुट्टियों रही हैं।



एमएसएमई के अनेसाबाद में शिथंत राम कलाल विद्यालय के अंतर्गत, इलादि ने विभिन्न अनुयायी वर्गों के बावजूद कीरण चौधरी के अधिकारियों से संयक्त जानकारी लेकर वे इस वर्ष के वर्षों की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। उन्होंने कहा कि अगर वर्ष 2023 में इन गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों रही हैं, तो आगामी वर्षों में भी रहीं जाएं। गोरेतले है कि 2023 में राजभवन द्वारा जारी कैलेंडर में 92 दिन की छुट्टियां रही हैं। इस वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में पांच दिन की कटौती कर 89 दिन की छुट्टियों रही हैं।

राम जन्मभूमि के अस्तित्व को जदयू ने स्वीकारा : नंदन

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

राम जन्म दोनों भागवान राम और माता सीता के अस्तित्व, इसके बावजूद विद्यालय के अंतर्गत, इलादि ने विभिन्न अनुयायी वर्गों के बावजूद कीरण चौधरी के अधिकारियों से संयक्त जानकारी लेकर वे इस वर्ष के वर्षों की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। उन्होंने कहा कि अगर वर्ष 2023 में इन गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों रही हैं, तो आगामी वर्षों में भी रहीं जाएं। गोरेतले है कि 2023 में राजभवन द्वारा जारी कैलेंडर में 92 दिन की छुट्टियां रही हैं। इस वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में पांच दिन की कटौती कर 89 दिन की छुट्टियों रही हैं।



राम जन्म दोनों भागवान राम और माता सीता के अस्तित्व पर सवाल उठाने की नीति को मानते रहे हैं। लेकिन उन्हें पता चल गया है कि भागवान राम इस देश की करोड़ों जनमान की ओर लोटी रही है। उनके बावजूद भाजपा की जयंती रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न अनुयायी वर्गों के बावजूद कीरण चौधरी के अधिकारियों से संयक्त जानकारी लेकर वे इस वर्ष के वर्षों की जयंती पर छुट्टियों को बरकरार रखने का अप्राप्ति किया। उन्होंने कहा कि अगर वर्ष 2023 में इन गहायुषों की जयंती पर छुट्टियों रही हैं, तो आगामी वर्षों में भी रहीं जाएं। गोरेतले है कि 2023 में राजभवन द्वारा जारी कैलेंडर में 92 दिन की छुट्टियां रही हैं। इस वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में पांच दिन की कटौती कर 89 दिन की छुट्टियों रही हैं।

बजट पूर्व तैयारियों को लेकर पर्यटन विभाग की बैठक, कई मसलों पर चर्चा

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

पूर्व विधान पार्षद और विरशि भाजपा नेता डॉ. रणबीर नंदन ने कहा कि क्रांति का विषय है कि भगवान राम और माता सीता के अस्तित्व पर सवाल उठाने की नीति को मानते रहे हैं। लेकिन उन्हें पता चल गया है कि भागवान राम इस देश की करोड़ों जनमान की ओर लोटी रही है। उनके बावजूद भाजपा की जयंती रही है। उन्होंने कहा कि विभ

विचार मंथन

સંસદ સુદ્ધા ધુઆં-ધુઆં

संसद पर आतका हमल का 22वा बरसा क दिन हा संसद पर एक आप्रहार किया गया। देश 13 दिसंबर, 2001 का दिन नहीं भूला होगा, जब पाकपरस्त आतंकियों ने संसद के परिसर में घुसकर हमला किया था और हमारे 14 सुरक्षाकर्मी जवान शहीद हुए थे। आतंकियों को भी देर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अक्सर दावा किया गया कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता हमारी गालबाई तब खोखली सांबित हुई, जब 13 दिसंबर, 2023 को लोकसभा में शन्य काल की कार्यवाही चल रही थी। अचानक दो युवकों ने दर्शक-दीर्घी से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटे पांपांता रहा। और सदन में दहशत फैल गई। अफरातफरी मच गई। सांसद पकड़ो-पकड़ो चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और किसी स्पोक क्रैकर का इस्तेमाल किया, नीतीजतन लोकसभा में पीला-सा धुआं फैलने लगा। जब तक मर्शल या सुरक्षाकर्मी आते, तब तक सांसदों ने उन घुसपैठियों को धेर कर धर ढाँचा और पिटाई की। बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतरस भी नहीं थे। यह प्रहार कुछ भी सांबित हो सकता था। शुक्र है कि सदन में उस समय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री आदि मौजूद नहीं थे, लेकिन सांसदों की मौजूदी अच्छी-खासी थी। पीला धुआं फैला कर युवक एक निश्चित संदेश देना चाहते थे कि संसद के भीतर घुसकर भी हमला किया जा सकता है। बेशक धुआं खतरनाक, जरीरी नहीं था, लेकिन इस तरह किसी गासयनिक द्रव्य का भी इस्तेमाल किया जा सकता था, क्योंकि यह



प्रह्लाद संषोभना

संपादित वृत्ति उप गहनविषयक, नारायण १८८८ वर्ष

3

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मानना।
श्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल
एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परापरा
पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन ज.
भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम देव
भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला
रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी
2024 को भारत के प्रधानमंत्री श्री
नरेन्द्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परापरा
पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन ज.
भागवत की उपस्थिति में अयोध्या
नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर
का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत
ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू
धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पृथ्वी
भारत में वातावरण राममय होने जा
रहा है।

अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम
मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू
धर्मावलंभियों के लिए न के बल
विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप
विकसित किया जा रहा है बल्कि यह
देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा
देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था
को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना

दोपावली त्योहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात् 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50,000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धर्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा। अयोध्या में होटल और रिटेल का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमें कई फाइबर स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधार भूत विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेलवे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं विकसित होने के पश्चात अयोध्या बढ़ने वाले धर्मिक पर्यटन से लाभ की संख्या में नए रोजगार के अविस्मित होने जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटक के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अत्यधिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अब आप में अयोध्या आस्था के केंद्र साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र रूप में भी विकसित होने जा रहा कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम तो अपने मंदिर बिराजेंगे हाँ, साथ ही इस क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों को भी आर्थिक स

A photograph of a large, ornate Hindu temple complex. The main building features multiple tiered, red-tiled roofs with intricate carvings. A prominent central structure, possibly a stupa or a large shrine, has a single tiered roof and a flag flying from its top. The temple is surrounded by green trees and shrubs. The sky is clear and blue.

अयोध्या में पूर्व विश्वामीति आने से उत्तरप्रदेश को तो जैसे पंख ही भारत में अयोध्या अन्य धार्मिक स्थल गए हैं। वाराणसी में कोरिडोर विकसित है। गुजरात में सोनपुरनिर्माण किया गया है। गुजरात में ही मानव पुनर्निर्माण किया गया है। केंद्रान्तराधारी प्रोजेक्ट तेजों से आगे बढ़ रहा है। महाकाल कीरिंदार देवी है। असम में माता ब्रह्मा बन रहा है। पूर्व भारत स्थलों को विकसित एवं क्षेत्रीय पर्यटन केंद्र रहा है। भारत के पश्चिम एक अनुपान के अनुपान 22 में भारत में पर्यटन 1.34 लाख करोड़ है, जबकि वर्ष 2025 पर्यटन से 65, 000 की आय हुई थी। इसके विकसित किए विभिन्न के कारण पर्यटन वायामात्र एक वर्ष

सेंटर फोर सोशल इम्प्रेक्ट एंड फिलान्थ्रोपी के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में विभिन्न मंदिरों को मिलने वाला घरेलू दान 14 प्रतिशत बढ़कर 27, 000 करोड़ रुपए का हो गया है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 23, 700 करोड़ रुपए का दान विभिन्न मंदिरों को प्राप्त हुआ था। विशेष रूप से वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिंडोर के विकसित किए जाने के बाद से काशी विश्वनाथ मंदिर को मिलने वाला दान 500 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2021-22 में काशी विश्वनाथ मंदिर को 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ था। साथ ही, इस दौरान वाराणसी में धार्मिक पर्यटन भी 1000 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी प्रकार, उज्जैन में महाकाल कोरिंडोर के विकसित होने के पश्चात बाबा महाकाल मंदिर में धार्मिक पर्यटन 1800 प्रतिशत बढ़ा है। इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन बढ़ने से चूंकि व्यापार बढ़ रहा है अतः इन क्षेत्रों में रोजगार के हजारों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। अब तो वृद्धावन में भी बांके बिहारी कोरिंडोर विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं का बांके बिहारी मंदिर में पहुंचना आसान विशेष रूप से प्रभु श्रीराम को जन्म स्थली अयोध्या में केवल एक भव्य मंदिर बनाने की परिकल्पना नहीं की गई है बल्कि भव्य मंदिर के साथ साथ विशाल पुस्तकालय, संग्रहालय अनुसंधान केंद्र, वेदपाठशाला यज्ञशाला, सत्संग भवन, धर्मशाला प्रदर्शनी, आदि को भी विकसित किया जा रहा है, ताकि आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम के काल पर अनुसंधान करने में आसानी हो। प्रभु श्रीराम वे मंदिर को राष्ट्र मंदिर भी कहा जा रहा है क्योंकि यहाँ आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान कराएगा। पूरे विश्व में यथा मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था करखने वाले लोगों के लिए आस्था के केंद्र बनने जा रहा है अतः यहाँ पूरे विश्व से सैलानियों का लगातार आन बना रहेगा। यह मंदिर पूरे विश्व में हिन्दू धर्मावलबियों के लिए एक महत्वपूण आस्था का केंद्र बनने के साथ साथ पर्यटन के एक विशेष केंद्र के रूप में भव्य विकसित होने जा रहा है, इसलिए प्रभु श्रीराम की कृपा से करोड़ों व्यक्तियों के मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

महुआ के बहाने बेनकाब हुए मानवोंय

वहाँ दुर्भाग्यवश इसी संसद में अपराधी, भ्रष्ट, रिश्वतखोर, सवाल पूछने के बदले पैसे लेने वाले, संसद में हाथा पाई, मारपीट तथा लात घूसा चलाने वाले, जमीर फरोश, सिद्धांत विहीन, सत्ता लोलुप, दलबदलू यहां तक कि अशिक्षित सांसद भी शोभायमान होते रहें। इसके अतिरिक्त यही माननीय कई बार सांसद की गरिमा के विरुद्ध आचरण करते भी देखे जा चुके हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च 2000 में जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल विलंटन भारत के पाँच दिवसीय दौरे पर आए थे उस दौरान उन्होंने 22 मार्च को संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त भारतीय संसद को भी संबोधित किया था। खचाखच भरे इस केंद्रीय हाल में राष्ट्रपति विलंटन के संबोधन के बाद जिस तरह हमारे माननीयों में विलंटन के साथ हाथ मिलाने व फोटो खींचाने की होड़ मची थी वह दृश्य भी अभूतपूर्व था। अनेक सांसद उस दिन कुर्सियां फांद कर एक दूसरे को पीछे छोड़ राष्ट्रपति विलंटन की तरफ जाते दिखाई दिये थे। यह उनसे हाथ मिलाने व उसके साथ फोटो खींचाने के लिये लालायित थे। इस दृश्य ने भी अनेक माननीयों की मानसिकता व उनकी हकीकत को उजागर किया था।



जब तकालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत के पांच दिवसीय दौरे के दौरान इन लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

के जनप्रतिनिधि इसी संसद भवन व बैठकर देश के भविष्य की योजनाव इससे सम्बंधित कानून बनाते हैं। इसलिये यह कहने की जुरुरत नहीं विप्रलये संसद को पूर्ण रूप से संसदीय व्यवस्था व सञ्चालन को समझने व क्षमता रखने वाला, संसदीय काय कानूनों का जानकार, गंभीर, जिम्मेदार ईमानदार, अनुशासित तथा समाज व लिये आदर्श पेश करने वाला नेता हो चाहिये। परन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं स्वतंत्रता से लेकर अब तक जह हमारी संसद में अनेकानेक ऐसे सांसद हुए हैं जिनपर देश नाज करता है वह दुर्भाग्यवच इसी संसद में अपराधी भ्रष्ट, रिश्वतखार, सवाल पूछने व बदले पैसे लेने वाले, संसद में हाथ पाई, मारपीट तथा लात घसा चलावाले, जीमीर फरोश, सिद्धांत विहीन सत्ता लोलुप, दलबदलू यहां तक विअशिक्षित सांसद भी शाभायमान हो रहे। इसके अतिरिक्त यही माननीय कई बार संसद की गरिमा के विरु आचरण करते भी देखे जा चुके हैं उदाहरण के तौर पर मार्च 2000

दैरे पर आए थे उस दौरान उन्होंने 22 मार्च को संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त भारतीय संसद को भी संबोधित किया था। खचाखच भरे इस केंद्रीय हाल में राष्ट्रपति विलंटन के संबोधन के बाद जिस तरह हमारे माननीयों में विलंटन के साथ हाथ मिलाने व फोटो खींचाने की होड़ मची थी वह दृश्य भी अभूतपूर्व था। अनेक सांसद उस दिन कुरियों फांद कर एक टूपरे को पीछे छाड़ राष्ट्रपति विलंटन की तरफ जाते दिखाइ दिये थे। यह उनसे हाथ मिलाने व उसके साथ फोटो खींचाने के लिये लालायित थे। इस दृश्य ने भी अनेक माननीयों की मानसिकता व उनकी हकीकत को उजागर किया था। आज भी उसी मानसिकता के अनेक सांसद समय समय पर संसद में मोदी-योदी का जाप करते सुनाई देते हैं। ऐसा नेता जाप भारत के अतिरिक्त किसी अन्य देश की संसद में होते नहीं सुनाई देता।

पिछले दिनों भारतीय संसद में तुण्मूल कांग्रेस की सांसद महुआ आमित्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। उनपर संसद में सवाल लोकसभा नियमों के विरुद्ध दूसरों द्वारा देय करने के आरोप हैं। हालांकि महुआ आमित्रा के लोकसभा निष्कासन को विपक्ष बदले की भाव से की गई कार्रवाई बता रहा है वह सरकार व उसके पक्षकारों का मत कि महुआ के साथ जो कुछ हुआ वह सब कुछ नियमों के तहत ही हुआ है। परन्तु महुआ प्रकरण पर गत दिसंबर को लोकसभा में चली चर्चा दौरान जब महुआ के समर्थन में बांग्लादेश के जनता दल यूनाइटेड संसद गिरधारी यादव खड़े हुये उनके मुंह से कुछ ऐसे वाक्य निकले जिन्होंने न केवल लोकसभा अध्यक्ष बल्कि पूरी संसद को स्वत्व कर दिया चूँकि गिरधारी यादव अपने क्षेत्र से चार बार विधायक और तीन बार लोकसभा सदस्य के रूप में निवाचित चुने हैं इसलिये जनता के बीच उनकी लोकप्रियता से इंकार करते नहीं किया जा सकता। गिरधारी यादव ने साथ साफ कहा कि न तो उन्हें लोकसभा पोर्टल लॉगिन करना आता है न उन्हें अपना पासवर्ड याद रहता है।

A photograph showing a group of Indian women in traditional sarees gathered outdoors, working together to prepare large quantities of food in large stone bowls. The women are dressed in various colors like pink, green, red, and purple. They are focused on their task, some holding bowls and others working with the food. The setting appears to be a rural or semi-rural area with trees in the background.

गोपनीय काम उनके पी ए करते हैं। निश्चित रूप से सांसद गिरधारी यादव द्वारा संसद में ॲन रिकार्ड की गयी यह स्वीकारोक्ति गैर कानूनी व संसदीय नियमों के विरुद्ध थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सांसद गिरधारी यादव के इस बयान पर घोर आपत्ति भी दर्ज की और उन्हें सचेत भी किया कि सदन में ॲन रिकार्ड दिये गये आपके इस विवादित बयान को लेकर आपके विरुद्ध कार्रवाई भी हो सकती है। परन्तु गिरधारी यादव ने बिना छुपाये हुये अपनी जो हकीकत थी वह बयान कर डाली। साथ ही यह भी कहा कि अब उनकी यह उम्र कम्प्यूटर आदि सीखने की नहीं और उन्हें यह सब नहीं आता। जब लोकसभा अध्यक्ष सांसद गिरधारी यादव की बातों से असहज हुये तो उन्होंने इस अंगीर विषय पर संसद की बज भी टटोलनी चाही। उन्होंने उसी समय बरिष्ट तुणमूल सांसद सुदीप बंदोपाध्याय से पूछा कि क्या आप इनकी (सांसद गिरधारी यादव) बातों से सहमत हैं। इसपर उस बरिष्ट सांसद ने सदन में जो बात कही वह भारतीय कि आप दस दस सांसदों के ग्रुप को अपने कार्यालय में बुलाकर स्वयं देख लें कि कितने सांसदों को लॉगिन करना और कंप्यूटर संचालन आता है। यह सुनते ही लोकसभा अध्यक्ष जो सांसद गिरधारी यादव को उनके विवादित बयान के लिये कार्रवाई की धमकी देते सुनाई दिये वही स्पीकर, सुदीप बंदोपाध्याय की बात सुनकर ठन्डे पड़ते देखे गये।

सवाल यह है कि क्या सांसद गिरधारी यादव की बातों पर सुदीप बंदोपाध्याय की प्रतिक्रिया और उनकी प्रतिक्रिया सुन लोकसभा अध्यक्ष की खामोशी भारतीय सांसदों की हकीकत को उजागर नहीं करती? और यहीं से दूसरा सवाल महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों को लेकर भी खड़ा होता है कि जब सांसद गिरधारी यादव सदन में स्वीकार कर चुके कि न तो वे लोकसभा के अपने सवाल तैयार करते हैं न ही उन्हें अपना लॉग इन पासवर्ड याद रहता है। उनके यह सारे काम कोई अन्य (उनका पी.ए) करता है। फिर इन्हीं आरोपों में केवल महुआ मोइत्रा जैसा कि सत्ता पक्ष के कई सांसदों द्वारा लोकसभा में चर्चा के दौरान महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया गया। तो सभी की गरिमा इससे भी अधिक परे विश्वास में पहले भी धूमिल होती रही है। यात्रा कीजिये इसी वर्ष 21 सितंबर को जब भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने सांसद दानिश अली को संसद में निशान बनाते हुये उनके पूरे समुदाय के संसद में गली दी थी और अपमानित किया था। क्या एक निर्वाचित सांसद के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना उसे गलियां देना, धमकी देना संसद की गरिमा को नहीं गिराता? भारतीय संसद ऐसी और भी अनेक घटनाओं की साझी ही है जिससे लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा को धक्का लगता रहा है। अदानी के बढ़ते साप्राप्त्य पर संसद के भीतर व बाहर मुखरित होकर बोलने वाली सांसद महुआ मोइत्रा के बहुमत के जोर पर संसद की सदस्यता से निष्कासित तो जरूर कर दिया गया है। परन्तु इस चर्चा के दौरान महुआ के बहाने माननीयों को हकीकत से भी पर्दा उठ गया है।

मुख्यमन्त्रा ।

मुख्यमंत्री न जिस तरह से पदग्रहण के बाद प्रशासकीय फैसले लिए गए उन्हें देखकर लगता है कि वे पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नकल कर रहे हैं। मोहन यादव को नकल की नहीं असम और मौलिक छवि बिनाने की जरूरत है, इसके बिना वे कामयाब नहीं हो सकते। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार सबसे पहले पूजाघरों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों के खिलाफ कार्रवाई

एक पुरान फसल का आधार बनाकर की गयी है। लेकिन इस कार्बवई की जद में मैरिज हाउस को नहीं लिया गया है। शादी धरोंमें रात एक-दो बजे तक डीजे बजते रहते हैं ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक सराहनीय कदम है। हम वर्षों से ध्वनि विस्तारकों के इस्तेमाल पर गवर्नर लगाने की मांग करते रहे हैं, लेकिन कोई भी सरकार इस पर गौर नहीं करती। केवल प्रशासकीय आदेश जारी कर मुक्ति पा लेती है। मैंने स हो बजता है। ऐसा हो हमार यहोना चाहिए, क्योंकि कानपोदो यह स्वास्थ्य के लिए बहुत घातक है। हम यहां तो पूजाधरोंमें ही नहीं बल्कि मांगलिक कार्य में अखंड रामायण पर हो या सुंदरकांड लाउड स्पीकर सब पहले चाहिए। ध्वनिविस्तारक यंत्रों रोक का कदम स्वागत योग्य है बास की उसमें पक्षपात न हो। प्रदेश में खुले में मांस बेचने का निर्णय भी स्वास्थ्य योग्य है, लेकिन इस फैसले पर अम

मास विक्रेता इतन सम्पन्न नहीं है कि वे रातों रात मांस रखने के लिए डीप फ्रीजर खरीद सकें। मांस विक्रेता यदि ध्यान दें और सरकार का सहयोग करें तो मास भी मिठाई की भाँति साफ-सुधरे तरीके से बेचा जा सकता है। लेकिन इस फैसले के पीछे सरकार का नजरिया लोक स्वास्थ्य ही हो, धार्मिक नहीं। मास विक्रेताओं को परेशान करने कि दृष्टि इसकी पीछे नहीं होना चाहिए। सरकार को ऐसे तमाम निर्णय लेते समय के लिए अलग बाजार का इत्तजाम करे या फिर नए तरीके आजमाए। ताजा मांस पैकेजिंग और फ्रीजिंग के जरिये ज्यादा बेहतर तरीके से बेचा जा सकता है, इससे किसी को कोई समस्या नहीं हो सकती। इस मुद्दे पर भाजपा कि सभी राज्य सरकारों का रुख एक जैसा है, यानि अल्पसंख्यक विरोधी। अल्पसंख्यकों को परेशान कर कोई भी सरकार कामयाब नहीं हो सकती। सबका विकास, सबका साथ के रस्ते भा सत्तारूढ़ दल के अर स क्षास भ सदन में कोई नमाजी सांसद बचा नहीं है किन्तु दूसरे दलों के अल्पसंख्यक सांसद तात्व हैं जो इस सुविधा का लाभ लेना चाहते हैं। ये सुविधा पहले से ही इसलिए इसे तुष्टिकरण से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन सरकार तो सरकार है, वो जो चाहे सो कर सकता है। भाजपा कि नव निर्वाचित सरकार यूपी की तरह बुलडोजर सहित प्र काम करना चाहती है।

मिशन ओलंपिक

प्रियंका गोखरामी को ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास करने की अनुमति मिली



उनके मिलने वाली वित्तीय सहायता में हवाई क्रिया, भोजन-आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्याय, कोचिंग शुल्क सहित अन्य खर्च शामिल होंगा। एमओसी ने इसके अलावा लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टोप्स) के विकास रूप में शामिल ग्रीको रोमन प्रश्नावान असु (67 किम्बा), सुरज (55 किम्बा) और सेन्ट शाम (48 किम्बा) के काजिकान साने के अलामी में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

सरकार इन तीनों पहलवान, उनके कोच, पिलियोरेंटर्स और सद्योगी के सभी खर्च उठाएगा। निशानेबाज भवनशेख में दीर्घांता के विदेशी कोच डेनिल डिस्पिनो के साथ एक सामान के प्रशिक्षण शिविर के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है। एमओसी ने निशानेबाज रमित को निशानेबाजी की किट खरीदने और तीरंदाज यथावैप भेंगे को तीरंदाजी उत्करण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

इसके अलावा पैरा एथलीट प्राप्त सूर्यो के खेल उपराज खरीदने के लिए वित्तीय सहायता, इटनी में डब्ल्यूटीटी फोडर बायाला में भाग लेने के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बता के लिए वित्तीय सहायता और बैडमिंटन खिलाड़ियों के लियों श्रीकांत और तीरंदाज यथावैप के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दी दी गई। पैरा ओलंपिक के कैनिंगर के लिए कैनिंगर के लिए प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी।

कुआलालंपुर (एजेंसी)। अब तक पौकों का आवधा उन्हें में नकाम रही भारतीय टीम को अगर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मैच में मजबूत स्पेन को हराया है तो उसे जल्द से जल्द अपने खेल में सुधार करना होगा। भारत ने गुबर को जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 पैनली टॉर्नर ग्रांप्रां किससे इस मैच में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

इस प्रयाय से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा, लेकिन अगर उसे पोडियम (शीर्ष तीन में शामिल) पर पहुंचाना है तो स्पेन के खिलाफ अवसरों को भूला जाया। प्रून चरण के मैच में स्पेन ने भारत को 4-1 से हराया था। ये न की टीम भी दूसरे सेमीफाइनल में फँस के हाथों 1-3 से हार के कारण आहत होनी लेकिन वह कांस्य पदक जीतने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ती।

भारतीय टीम भी इस प्रतियोगिता में चौथी बार पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करेगी। उसने इस टॉर्नामेंट में दो बार (होबार्ट में 2001 और लखनऊ में 2016) स्वर्ण पदक और 1997 में इंग्लैंड के मिल्टन केंस में रजत पदक जीता था।

कुआलालंपुर (एजेंसी)। अब तक पौकों का आवधा उन्हें में नकाम रही भारतीय टीम को अगर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मैच में मजबूत स्पेन को हराया है तो उसे जल्द से जल्द अपने खेल में सुधार करना होगा। भारत ने गुबर को जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 पैनली टॉर्नर ग्रांप्रां किससे इस मैच में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

इस प्रयाय से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा, लेकिन अगर उसे पोडियम (शीर्ष तीन में शामिल) पर पहुंचाना है तो स्पेन के खिलाफ अवसरों को भूला जाया। प्रून चरण के मैच में स्पेन ने भारत को 4-1 से हराया था। ये न की टीम भी दूसरे सेमीफाइनल में फँस के हाथों 1-3 से हार के कारण आहत होनी लेकिन वह कांस्य पदक जीतने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ती।

भारतीय टीम भी इस प्रतियोगिता में चौथी बार पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करेगी। उसने इस टॉर्नामेंट में दो बार (होबार्ट में 2001 और लखनऊ में 2016) स्वर्ण पदक और 1997 में

लेकिन उत्तम सिंह की अग्रवाई वाली टीम को अगर इस सूची में शामिल होना है तो उसे अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करना होगा। भारत के लिए वह प्रतियोगिता में मिश्रित सफरता वाली रही है। उसने क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर चार टीम नीदरलैंड को 4-3 से हाराया था लेकिन छह बार के चौथीयन जर्मनी के खिलाफ उसके खिलाड़ी यह लय बरकरार नहीं रख पाए।

भारतीय कसान उत्तम ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई मौके गंवाए लेकिन साथ ही कहा कि उनके पास अब भी पोडियम पर पहुंचने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ते। उत्तम ने कहा, 'हमें काफी मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए। हमने पैट्रियोर्टी कार्नर को गोल में बदलने की कोशिश की लेकिन ऐसा करने में नाकाम रहे। हमें गेंद पर नियंत्रण लागा रखने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'हम अपनी टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुए हैं और हमें कांस्य पदक का मैच खेलना है। जो कुछ भी उड़ा उसे हम नहीं बदल सकते हैं। हमारा पूरा ध्यान अब अलावा मैच पर है। जहां कहा जाता है तो उसकी टीम अपनी तरफ इस टूर्नामेंट के फाइनल में जानी बनी बाबा पाय है। उसका सर्वोच्च प्रदर्शन 2005 में रहा था जब उसकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत और स्पेन ने पुरुष जूनियर विश्व कप में अभी तक एक एक्ट द्वारा किया गया था।' उन्हें एस्पेन के लिए विजेता रहनी की टीम काइन्कल में फँस का सामना करेगी। फँस ने पिछली बार कांस्य पदक जीता था।

मेसी की ४४ जर्सी ७८ लाख डॉलर में बिकी विश्व कप में पहनी थी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फटबॉलर लियोनेल मेसी की पिछले साल विश्व कप वाली संस्था सोश्टीवी ने यह घोषणा की। सोश्टीवी ने बतायाकि मेसी ने इन शर्ट को करत में 2022 में खेले गए फीफी विश्व कप के पहले चरण के मैचों में पहना था। इस साल खेल से जुड़ी वस्तुओं की नीलामी में यह सर्वोच्च कीमत पर बिकने वाली वस्तु ही। अर्जेंटीना ने विश्व कप फाइनल में फँस को पैनली शूटआउट में हारकर अपना तीसरा खिलाफ जीता था।

निर्धारित समय तक दोनों टीम 3-3 से बराबरी पर अपनी जिसका बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अर्जेंटीना के बाब फैसली शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेस

